

नामांक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

No. of Questions – 30

No. of Printed Pages – 8

## SS-85-Philosophy (Supp.)

### दर्शनशास्त्र (PHILOSOPHY)

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2020

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

#### GENERAL INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEES :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

Candidate must write first his / her Roll No. on the question paper compulsorily.

(2) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

All the questions are compulsory.

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

Write the answer to each question in the given answer-book only.

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

For questions having more than one part, the answers to those parts are to be written together in continuity.

SS-85-Philosophy (Supp.)

[ Turn over

- (5) प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपांतर में किसी प्रकार की त्रुटि/अंतर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।

If there is any error / difference / contradiction in Hindi & English versions of the question paper, the question of Hindi version should be treated valid.

(6)	खण्ड	प्रश्न संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	उत्तर की शब्द सीमा
	अ	1-10	1	20 शब्द
	ब	11-20	2	50 शब्द
	स	21-30	5	100-150 शब्द

Section	Q. Nos.	Marks per question	Words limit of answer
A	1-10	1	20 words
B	11-20	2	50 words
C	21-30	5	100-150 words

- (7) प्रश्न क्रमांक 21 से 30 तक में आंतरिक विकल्प हैं।

There are internal choices for Question Nos. 21 to 30.

## SECTION – A

निम्नलिखित में से प्रत्येक को परिभाषित कीजिए : (20 शब्दों में)

Define each of following in 20 words :

1. संचीयमान कर्म  
Sanchiyman Karma
2. कारणता  
Causation
3. सुशिक्षित चार्वाक  
Sushikshit Charvak
4. योग  
Yoga
5. त्रिपिटक  
Tripitak
6. जरा-मरण  
Jara Maran
7. समाधि  
Samadhi

8. आत्मा (स्वामी विवेकानन्द)  
Soul (Swami Vivekananda)
9. बुद्धिवाद  
Rationalism
10. तेह (ताओ धर्म)  
Teh (Tao religion)

खण्ड – ब

(शब्द सीमा = 50)

SECTION – B

(Word limit = 50)

11. भारतीय दर्शन को परिभाषित कीजिए ।  
Define Indian Philosophy.
12. ज्ञान-योग की अवधारणा का विवेचन कीजिए ।  
Discuss the doctrine of 'Gyan Yoga'
13. 'अनेकान्तवाद' से आप क्या समझते हैं ? समझाइये ।  
What do you mean by 'Anekantvada' ? Explain.
14. प्राणायाम एवं प्रत्याहार में क्या अन्तर है ? समझाइये ।  
What is the difference between Pranayam and Pratyahar ? Explain.
15. निर्गुण एवं सगुण ब्रह्म के बीच क्या भिन्नता है ? समझाइये ।  
What is the difference between Nirgun Brahma and Sagun Brahma ?  
Explain.

SS-85-Philosophy (Supp.)

16. ज्ञानमीमांसा से आप क्या समझते हैं ? विवेचन करें ।

What do you understand by Epistemology ? Discuss.

17. सर्वेश्वरवाद का सिद्धान्त किसे कहते हैं ? समझाइये ।

What is the theory of Pantheism ? Explain.

18. देकार्त की संदेह-विधि क्या है ? समझाइये ।

Discuss method of doubt in context of Descartes. Explain.

19. बौद्ध धर्म के अनात्मवाद सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

Explain the Doctrine to Momentariness of No-self of Buddhism.

20. अशुभ के विभिन्न प्रकारों को समझाइये ।

Explain different kinds of Evil.

खण्ड – स

(शब्द सीमा = 100-150)

SECTION – C

(Word limit = 100-150)

21. भारतीय दर्शन के विभिन्न सम्प्रदायों का वर्गीकरण आप किस प्रकार करेंगे ?

अथवा

चार्वाक दर्शन के जड़वाद (भौतिकवाद) सिद्धान्त पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

How will you classify the different schools of Indian Philosophy ?

OR

Write short note on “Doctrine of Materialism” according to Charvak Philosophy.

22. उपनिषदों के सन्दर्भ में 'ब्रह्म की अवधारणा' की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

**अथवा**

'भक्तियोग के सिद्धान्त' पर भगवद्गीता के विचारों की विवेचना कीजिए ।

Explain briefly the "Concept of Brahma" in context of Upanishadas.

**OR**

Describe Bhagwatgita's views on theory of "Bhakti Yoga".

23. बौद्ध दर्शन में प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धान्त की विवेचना कीजिए ।

**अथवा**

जैन-दर्शन में त्रिरत्नों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए ।

Discuss the 'Theory of Pratityasamutpad' in Buddhism.

**OR**

Explain Ratnatraya in Jain Philosophy in detail.

24. स्वामी विवेकानन्द के 'व्यावहारिक वेदान्त की अवधारणा' को स्पष्ट करें ।

**अथवा**

योग दर्शन के अनुसार 'ध्यान, धारणा एवं समाधि के प्रत्यय' की विस्तृत विवेचना कीजिए ।

Explain the 'Concept of Practical Vedant' in context of Swami Vivekanand.

**OR**

Describe in detail the concept of Dhyan, Dharna and Samadhi according to Yoga Philosophy.

**SS-85-Philosophy (Supp.)**

25. वर्तमान जीवन में 'दर्शनशास्त्र की महत्ता' पर चर्चा कीजिए ।

**अथवा**

द्वन्द्वात्मक पद्धति के चार चरण विस्तार से बताइये । (प्लेटो)

Discuss the importance of philosophy in modern life.

**OR**

Write in detail four steps of dialectical method. (Plato)

26. इहलौकिकवाद (धर्मनिरपेक्षवाद) किसे कहते हैं ? हार्वे कॉक्स द्वारा दी गई इसकी मुख्य विशेषताएँ बताइये ।

**अथवा**

रिलिजन (पंथ) के अर्थ एवं स्वरूप की विवेचना कीजिए ।

What do you understand by Secularism ? Explain its main features given by Harvey Cocks.

**OR**

Discuss the meaning and nature of religion.

27. संवर, निर्जरा एवं मोक्ष सम्बन्धी जैन सिद्धान्तों की विस्तृत व्याख्या कीजिए ।

**अथवा**

बौद्ध धर्म के हीनयान एवं महायान सम्प्रदायों के बीच मूल भेदों की व्याख्या कीजिए ।

Explain the Jain principles of Sanvara, Nirjara and Moksha in detail.

**OR**

Explain main points of difference between Hinyana and Mahayana schools of Buddhism.

28. ईसाई धर्म के सम्प्रदायों की विस्तृत विवेचना कीजिए ।

**अथवा**

यहूदी धर्म के नैतिक विचारों पर चर्चा कीजिए ।

Describe in detail the schools of Christianity.

**OR**

Discuss the moral thoughts of Judaism.

29. पारसी धर्म के 'नीति विषयक विचारों' की व्याख्या कीजिए ।

**अथवा**

गुरु नानक देव के प्रमुख उपदेशों को समझाइये ।

Explain the 'Ethics' of Persian religion.

**OR**

Explain the central teaching of Gurunanak Dev.

30. सनातन धर्म के अनुसार निर्वाण प्राप्ति के लिए बौद्ध दर्शन में प्रस्तावित 'आष्टांगिक मार्ग' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए ।

**अथवा**

'सर्व धर्म समभाव' सिद्धान्त को समझाइये ।

Explain briefly the eight fold path recommended by Buddhism for the attainment of Nirvan according to Sanatan Dharma.

**OR**

Discuss the concept of 'Sarva Dharma Sambhav'.